



## Janki Devi Bajaj Government Girls College, Kota



### Self-Study Report Criterion -3

**3.2.1 Institution has created an ecosystem for innovations, Indian Knowledge System (IKS), including awareness about IPR, establishment of IPR cell, Incubation centre and other initiatives for the creation and transfer of knowledge/technology and the outcomes of the same are evident Ecosystem for innovations:**

S. N.	Content		Page Number
1	2017-18 to 2021-22	Institution has created an ecosystem for innovations, Indian Knowledge System (IKS), including awareness about IPR, establishment of IPR cell, Incubation centre and other initiatives for the creation and transfer of knowledge/technology and the outcomes of the same are evident Ecosystem for innovations:	1-23



Office of the Principal, Janki Devi Bajaj Govt. Girls College,  
Near Antaghar Circle Nayapura, Kota

Email Address- [jdbcollege@gmail.com](mailto:jdbcollege@gmail.com)  
Phone & Fax No. 0744-2324074


No.:JDB/GGCK/2018/

Date :

Office Order

As per order of Commissionerate, College Education Rajasthan Jaipur Order No. F.8 (Seminar) Acad/CCE/12/660 dated 27.08.2018 Regarding formation of Intellectual Property Rights (IPR) Cell, the same is being constitute as below in this Institution.

Name	Designation	Role
Dr. Reeta Gulati	Principal	Chairperson
Dr. Vijay Devra	Associate Professor	Coordinator
Dr. Shuchita Jain	Associate Professor	Member
Dr. Jaishree Davre	Assistant Professor	Member
Ms Annu Bansawal	Assistant Professor	Member
Ms. Sawasthy Choudhary	PG Student	Member
Ms. Manju Kalwar	PG Student	Member
Ms. Manisha Nagar	PG Student	Member
Ms. Himanshi Joshi	PG Student	Member
Ms. Lalita Choudhary	PG Student	Member
Ms. Sunita Bishnoi	B.Sc Part II (Maths)	Member
Ms. Vandana Sehra	B.Sc Part II (Maths)	Member
Ms. Nikita Pareta	B.Sc Part II (Maths)	Member
Ms. Garima Kumawat	B.Sc Part II (Maths)	Member
Ms. Swapnil Singh	B.Sc Part II (Bio)	Member
Ms. Pratiksha	B.Sc Part II (Bio)	Member
Ms. Priya Gocher	B.Sc. Part II (Bio)	Member
Ms. Durgesh Nandani	B.Sc Part II (Bio)	Member
Ms. Preeti Singh	B.Sc Part II (Bio)	Member
Ms. Meenakshi	B.Sc Part II (Bio)	Member

  
Principal  
JDB Govt. Girls College, Kota  
Date: 03-09-2018

No.: 1737-39

Copy to-

- 1- The Joint Director (Acad), College Education of Rajasthan Jaipur
- 2- The Project Director, PIC, DST Rajasthan
- 3- Concern Person.....

  
Principal  
JDB Govt. Girls College, Kota

## बौद्धिक संपदा अधिकारों की दी जानकारी

कोटा, जनकी देवी वजाज राजकीय कन्या महाविद्यालय में मंगलवार को बौद्धिक सम्पदा अधिकारों पर चर्चा की गई। कार्यक्रम में इलेक्ट्रिकल प्रॉपर्टी राइट्स सेल की मयोजक डॉ. विजय देवड़ा ने अपने व्याख्यान में बौद्धिक संपदा अधिकारों की प्रस्तावना तथा विभिन्न अधिकारों के प्रकार उदाहरण सहित समझाए। उन्होंने प्रतिदिन काम आने वाली बौद्धिक संपदा के बारे में जानकारी दी। विभिन्न ट्रेड मार्क को प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता द्वारा बताया। प्राचार्य डॉ. रीटा गुलाटी, इस मौके पर सह. आचार्य डॉ. विनिता बौधिक, डॉ. अरती शाह, डॉ. पूनम जायसवाल, डॉ. जयश्री डावरे व अन्य बर्हीवाल उपस्थित रही।







## जेडीबी में बौद्धिक संपदा अधिकार विषय पर हुई वर्कशॉप में वक्ताओं ने दी कॉपीराइट की जानकारी मृत्यु के बाद भी 60 साल तक मिल सकती है रॉयल्टी

सिटी रिपोर्टर | कोटा

जेडीबी गल्स साइंस कॉलेज में शनिवार को विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग की ओर से बौद्धिक संपदा अधिकार के तहत एक दिवसीय वर्कशॉप का आयोजन किया गया। इसमें अलग-अलग सेशन में वक्ताओं ने बौद्धिक संपदा पर अपने विचार व्यक्त किए गए।

वर्कशॉप में कोटा यूनिवर्सिटी की डीन साइंस डॉ. आशुरानी ने कहा कि कॉपीराइट में साहित्यिक और क्रिएटिव वर्क में किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि कॉपीराइट के तहत रोजगार भी प्राप्त किया जा सकता है। इसमें यदि संबंधित का वर्क कॉपीराइट एक्ट के तहत उचित है तो संबंधित को कॉपीराइट में अपनी जिंदगी और मृत्यु के 60 साल बाद तक परिजनों को रॉयल्टी तक मिल सकती है। उन्होंने कॉपीराइट एक्ट की



छात्राओं को सर्टिफिकेट प्रदान किए गए।

प्रोसेस से लेकर अन्य जानकारियां दी। वर्कशॉप में उदयपुर में सुपरिटेडेंट हड़डोलॉजिस्ट डॉ. वीएन भावे ने पेटेंट के बारे में समझाया। उन्होंने पेटेंट फाइल करने की विधि और इसकी प्रोसेस के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि इनमें किसी भी इनोवेशन को लेकर पेटेंट करवाया जा सकता है। महाविद्यालय की छात्राओं ने सक्रिय सहभागिता निभाई। इस अवसर पर समस्त संकाय सदस्य उपस्थित थे। डॉ. विजय देवड़ा, समन्वयक आईपीआर सेल ने बताया

किय इस कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य छात्राओं को बौद्धिक संपदा अधिकार के बारे में विस्तृत जानकारी से अवगत कराकर जागरूकता एवं शोध क्षेत्रों में प्राप्त नवाचारों को संरक्षित करने हेतु प्रेरित करना है। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के परियोजना अधिकारी भुवनेश शर्मा ने विभाग की ओर से दी जाने वाली सहायता और योजनाओं के बारे में छात्राओं को बताया। साथ ही विभाग से सहायता प्राप्त करने के लिए प्रस्ताव बनाकर भेजने के लिए छात्राओं को

प्रेरित किया। प्रिंसिपल डॉ. रीटा गुलाटी ने भी बौद्धिक संपदा अधिकार की जानकारियां दी। साथ ही कॉलेज का इसके लिए चयन करने पर विभाग का आभार जताया। कॉर्डिनेटर डॉ. विजय देवड़ा ने बौद्धिक संपदा अधिकार के बारे में छात्राओं को बताते हुए प्रेरित भी किया। डीन साइंस डॉ. संगीता सुनेजा, डॉ. प्रेमजीत सूरी, डॉ. मधु खन्ना, डॉ. सुचिता जैन, डॉ. लक्ष्मी माल, डॉ. प्रतिमा श्रीवास्तव, डॉ. विनिता कौशिक सहित अन्य मौजूद रहे। संचालन डॉ. स्मृति जौहरी ने किया।

**65 से अधिक छात्राओं को वितरित किए सर्टिफिकेट :** समारोह में पीजी एवं एवं विभिन्न विषयों में शोध कार्य कर रही रिसर्च छात्राओं को नए कार्य एवं रिसर्च में जानकारियां मिली। यहां 65 से अधिक छात्राओं को सर्टिफिकेट वितरण किए।





## शोधकार्य एवं नवाचारों को और अधिक बढ़ाएं

कोटा. जेडीबी कॉलेज में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग विज्ञान केन्द्र कोटा एवं केन्द्रीय बौद्धिक सम्पदा अधिकार उत्थान व प्रबंधन प्रकोष्ठ के संयुक्त तत्वावधान में एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का उद्घाटन कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. डी.सी. जोशी ने किया। इस मौके पर कुलपति ने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में नवाचारों को संरक्षित करने की महत्वपूर्ण विधियों के ज्ञानार्जन के लिए इस प्रकार की कार्यशाला का आयोजन उपयोगी है। शोधार्थी इसका विशेष लाभ लें। इस अवसर पर सहायक निदेशक डॉ. के.एम. गवंद्रा, भी मौजूद रहे। कॉलेज



संबोधित करते वक्ता।

प्राचार्य डॉ. संगीता सुनेजा ने सभी अतिथियों का स्वागत किया। परियोजना अधिकारी भुवनेश कुमार शर्मा ने कहा कि बौद्धिक सम्पदा अधिकार द्वारा विवि में शोधकार्य एवं नवाचारों को और अधिक कैसे बढ़ाया जाए। द्वितीय तकनीकी सत्र में ध्रुव माथुर, प्रतीक सिंह, प्रोफेसर डीके पलवलिया, डॉ. शुचिता जैन, सह आचार्य डॉ. विजय देवड़ा ने ने सम्बोधित किया।

**Dr. Anita Kothari**  
Principal & Patron

**Dr. Sanjay Bhargav**  
Assistant Director  
College Education, Kota Region

Advisory Board  
**Dr. Satish Saraswat**  
Member Secretary, DLQAC  
**Smt. Madhu Khanna**  
Associate Professor

**Dr. Vijay Devra**  
Convener

**Dr. Shuchita Jain**  
Coordinator

**Organising Committee**  
1. Dr. Jaishree Davre  
2. Dr. Jagrati Meena  
3. Dr. Annu Banthiwal  
4. Ms. Preeti Bairwa



**Intellectual Property Right Cell**  
**Janki Devi Bajaj Government Girls College**  
**Kota, Rajasthan**

(Accredited 'A' Grade by NAAC)

Under the aegis of IQAC

Organizes

**One Day International E-Seminar**

On

**Copyright and Plagiarism Issues in Academics**



**Dr. Gargi Chakraborti**  
Max Planck Institute  
Munich Germany



**Shri Shubham Istrewal**  
CIPAM Government of India,  
New Delhi



**Professor Ashu Rani**  
University of Kota,  
Kota, Rajasthan

- ❖ Participants will receive e- certificate after attending all sessions and submitting feedback
- ❖ Free Registration
- ❖ Faculty members, Scientists, Researchers and Students are eligible for registration

**Date**  
14-12-2020

**Time**  
11:30AM

**Platform**



**Registration link...**

<https://forms.gle/jsfeW58aYeKTnfdN9>

E-mail: iprjdb@gmail.com

Contact number: 9352602303



का मात हा गइ था। इस मामल म नगर विकास न्यास के एक्सईन सी.पी. शुक्ला

जाय शुरू कर पा ह।

वहीं स्वायत्त शासन मंत्री के निर्देश

।स्यद राज्य सरकार का सामग्री

जानकारों के अनुसार मामले को

## कॉपीराइट एवं साहित्यिक चोरी पर हुआ एक दिवसीय सेमीनार

नवज्योति/ कोटा

जानकी देवी बजाज राजकीय कन्या महाविद्यालय में सोमवार को बौद्धिक सम्पदा अधिकार प्रकोष्ठ एवं आईक्यूएसी के तहत एक दिवसीय अन्तरराष्ट्रीय सेमीनार आयोजित की गई। सेमीनार का विषय- कॉपीराइट एवं साहित्यिक चोरी था। सेमीनार की अध्यक्षता महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. अनिता कोठारी द्वारा की गई।

डॉ. अनिता कोठारी ने अंतरराष्ट्रीय ई-सेमीनार के आयोजन पर बताया कि ई-सेमीनार का मुख्य उद्देश्य बौद्धिक सम्पदा अधिकार के अन्तर्गत कॉपीराइट एवं साहित्यिक चोरी की उपयुक्त जानकारी समाज के सभी वर्गों के लिए उपलब्ध कराना है। सेमीनार की समन्वयक डॉ. विजय देवड़ा ने ई-सेमीनार की रूपरेखा बताकर उसके उद्देश्य को स्पष्ट किया। डॉ. सतीश सारस्यत, समन्वयक आईक्यूएसी ने इस सेमीनार की उपयोगिता पर प्रकाश डाला एवं सेमीनार द्वारा महाविद्यालय के उच्चतर विकास व गुणवत्ता में होने वाले योगदान के महत्व को बताया। कार्यक्रम के प्रथम यक्ता शुभम इस्त्रीवाल, जनरल मैनेजर प्रोक्टर एण्ड रैन्बल ने कॉपीराइट के उल्लंघन




पर व्याख्यान दिया व विभिन्न उदाहरणों द्वारा विषय-वस्तु को स्पष्ट किया। सेमीनार के द्वितीय तकनीकी सत्र में प्रोफेसर आशुशानी, डीन एवं निदेशक शोध कोटा विश्वविद्यालय कोटा ने शोध एवं अकादमिक कार्य में नीतिशास्त्र के महत्व पर प्रकाश डाला व साहित्यिक नकल से दूर रहने के लिए

प्रेरित किया साथ ही नवीन राष्ट्रीय शिक्षा नीति के परिप्रेक्ष्य में नीतिशास्त्र के महत्व को समझाया। सेमीनार के तीसरे तकनीकी सत्र में डॉ. गार्गी चक्रवर्ती, सह आचार्य, मैक्स प्लान्क इंस्टीट्यूट म्यूनिख जर्मनी ने डिजिटल मीडिया में कॉपीराइट उल्लंघन विषय पर विस्तार

से व्याख्यान दिया व विभिन्न उदाहरणों के माध्यम-आईडिया और एक्सप्रेसशन का कोई कॉपीराइट नहीं होता जबकि कॉपी करना उल्लंघन श्रेणी में आता है। साथ ही उन्होंने समानता तथा साहित्यिक छेड़छाड़ को विस्तार से बताते हुए विभिन्न पहलुओं के बारे में विस्तार से समझाया। सविधि सदस्य मधु खन्ना, सदस्य सलाहकार, डॉ. जयश्री डावरे, डॉ. जागृति मीणा, डॉ. अनु बंशीवाल, प्राति वैरवा ने सेमीनार में सहयोग प्रदान कर कार्यक्रम को सफल बनाया। अन्त में, कार्यक्रम समन्वक डॉ. शुचिता जैन ने सभी वक्ताओं एवं प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया।

<p><b>Dr. Anita Kothari</b> Principal &amp; Patron</p>	 <h2>National Workshop</h2>								
<p><b>Dr. Raghuraj Parihar</b> Assistant Director College Education, Kota Region</p>	<p>On <b>Strategies for Intellectual Property Rights and Plagiarism Risks</b> 12 October, 2021 Organized by</p>								
<p><b>Smt. Madhu Khanna</b> Dean Faculty</p>	<p>Intellectual Property Rights Cell <b>Janki Devi Bajaj Government Girls College</b> Kota, Rajasthan</p>								
<p><b>Dr. Vijay Devra</b> Convenor</p>	<p>in collaboration with <b>Department of Science &amp; Technology (DST), Govt. of Rajasthan, Jaipur</b></p>								
<p><b>Dr. Bhuvnesh Sharma</b> Coordinator Director, DST Regional centre, Kota</p>									
<p><b>Organising Committee</b> 1. Dr. Jaishree Daveray 2. Dr. Annu Banshiwal 3. Mrs Anita Malav</p>	<p><b>Mr. Sidhant Chouksey</b> Innovation manager, Deloitte</p>	<p><b>Dr. Gargi Chakraborti</b> Chair Co-ordinator, IPR NLU, Jodhpur</p>	<p><b>Ms. Pratibha Sharma</b> Kiran, Women Scientist</p>						
<p><b>Technical Committee</b> 1. Dr. Jagrati Meena 2. Mr. Nimish Kumar 3. Ms. Preeti Bairwa</p>	<ul style="list-style-type: none"> <li>⇒ Participants will receive E-certificate after attending all sessions and submitting feedback form</li> <li>⇒ Free Registration</li> <li>⇒ Faculty members, Scientists, Researchers and Students are eligible for registration</li> </ul>		<table border="1" style="width: 100%;"> <tr> <td data-bbox="995 1529 1129 1662" style="text-align: center;"> <b>Date</b> 12-10-2021         </td> <td data-bbox="1134 1529 1268 1662" style="text-align: center;"> <b>Time</b> 10:00AM         </td> <td data-bbox="1273 1529 1428 1662" style="text-align: center;"> <b>Platform</b> Webex  </td> </tr> <tr> <td colspan="3" data-bbox="995 1668 1428 1825" style="text-align: center;"> <p><b>Registration link</b> <a href="https://forms.gle/6i99QJkExSGbWSwR7">https://forms.gle/6i99QJkExSGbWSwR7</a> E-mail: <a href="mailto:iprjdb@gmail.com">iprjdb@gmail.com</a> Contact number: 9352602303</p> </td> </tr> </table>	<b>Date</b> 12-10-2021	<b>Time</b> 10:00AM	<b>Platform</b> Webex 	<p><b>Registration link</b> <a href="https://forms.gle/6i99QJkExSGbWSwR7">https://forms.gle/6i99QJkExSGbWSwR7</a> E-mail: <a href="mailto:iprjdb@gmail.com">iprjdb@gmail.com</a> Contact number: 9352602303</p>		
<b>Date</b> 12-10-2021	<b>Time</b> 10:00AM	<b>Platform</b> Webex 							
<p><b>Registration link</b> <a href="https://forms.gle/6i99QJkExSGbWSwR7">https://forms.gle/6i99QJkExSGbWSwR7</a> E-mail: <a href="mailto:iprjdb@gmail.com">iprjdb@gmail.com</a> Contact number: 9352602303</p>									



<p><b>Dr. Anita Kothari</b> Patron</p>		<p><b>Eminent Speakers</b></p>			
<p><b>Dr. Raghuraj Parihar</b> Regional Assistant Director, College Education , Kota</p>	<p><b>National Workshop</b> on <b>Patents &amp; Designs</b> Organized by Intellectual Property Right Cell Janki Devi Bajaj Government Girls College, kota Under the aegis of IQAC In collaboration with Office of the Controller General of Patents, Designs &amp; Trade marks Department of Promotion of Industry and Internal Trade</p>	<p><b>Dr. Lakshmi Meena</b> Examiner of patents and Designs, Patent Office, Delhi</p>			
<p><b>Smt. Madhu Khanna</b> Associate Professor Dean Faculty</p>	<table border="1"> <tr> <td data-bbox="560 1218 715 1294">Date 09-02-2022</td> <td data-bbox="719 1218 874 1294">Time 2.00 PM</td> <td data-bbox="879 1218 1075 1294">Platform Cisco WebEx</td> </tr> </table>	Date 09-02-2022	Time 2.00 PM	Platform Cisco WebEx	<p><b>Dr. Vinita Suyal</b> Examiner of patents and Designs, Patent Office, Delhi</p>
Date 09-02-2022	Time 2.00 PM	Platform Cisco WebEx			
<p><b>Dr. Vijay Devra</b> Associate Professor Convener</p>	<p><b>Registration</b></p>	<p><b>Mr. Rahul Dhakad</b> Examiner of patents and Designs, Patent Office, Delhi</p>			
<p><b>Organising Committee</b> Dr. Jaishree Daverey Dr. Jagrati Meena Mr. Nimish Kumar Dr. Annu Banshiwal Mrs. Anita Malav Ms. Preeti Bairwa</p>	<ul style="list-style-type: none"> <li>❖ Participants will receive e- certificate after attending all sessions and submitting feedback</li> <li>❖ Free Registration</li> <li>❖ Faculty members, Scientists, Researchers and Students are eligible for registration</li> </ul> <p>Cisco Web link :- <a href="https://thepatentoffice.webex.com/thepatentoffice/j.php?MTID=m004c5a9c97e7e0da82385700ee814e94">https://thepatentoffice.webex.com/thepatentoffice/j.php?MTID=m004c5a9c97e7e0da82385700ee814e94</a> Meeting Number (Access code): 25152646735 Meeting password: AAPJGgEU362</p>	<p><b>Mr. Abhishek Kumar Pandey</b> Senior Examiner of Trademarks and GI</p>			
	<p><b>Registration link</b> <a href="https://forms.gle/xo6mmefJ2CJJBa8L7">https://forms.gle/xo6mmefJ2CJJBa8L7</a> E-mail: <a href="mailto:ipridb@gmail.com">ipridb@gmail.com</a> Contact number: 9352602303</p>	<p><b>Dr. Sunil Kumar</b> Examiner of TM &amp; GI</p>			

## जेडीबी साइंस कॉलेज में राष्ट्रीय बौद्धिक अधिकार जागरूकता पर वर्कशॉप

कोटा | जेडीबी साइंस कॉलेज में बौद्धिक संपदा अधिकार प्रकोष्ठ, राष्ट्रीय बौद्धिक अधिकार जागरूकता मिशन के तहत नेशनल वर्कशॉप आयोजित हुई। प्रिंसिपल डॉ. अनिता कोठारी ने इस प्रयास को सार्थक बताया। सहायक निदेशक डॉ. रघुराज परिहार ने विभिन्न बौद्धिक संपदा अधिकारों के महत्व पर प्रकाश डाला। युवा शोधार्थी को अधिकारों के बारे में जागरूक रहने को कहा। संयोजिका डॉ. विजय देवड़ा ने वर्कशॉप का उद्देश्य बताया। डॉ. लक्ष्मी मीणा ने कहा कि किसी आविष्कार को पहले संरक्षित कर बाद में प्रकाशित करना चाहिए। डॉ. विनीता सुयाल ने विभिन्न डिजाइन के प्रकार, मूल समयावधि तथा पंजीकरण प्रोसेस के बारे में बताया।



**Schedule**  
**National Workshop**  
**On**  
**“Strategies for Intellectual Property Rights and Plagiarism Risks”**  
**12 October 2021**  
**Organized by**  
**IPR Cell**  
**Janki Devi Bajaj Government Girls College**  
**Kota, Rajasthan**  
**in Collaboration with**  
**Department of Science and Technology (DST), Govt. of Rajasthan, Jaipur**

<b>Timings</b>	<b>Programme</b>
10.00 - 10.02 AM	INAUGURATION - SARASWATI VANDANA
10.02 - 10.07 AM	WELCOME SPEECH - PRINCIPAL- DR. ANITA KOTHARI
10.07- 10.10 AM	OUTLINE OF THE WORKSHOP - CONVENOR - DR. VIJAY DEVRA
10.10 -10.15 AM	OBJECTIVES OF THE WORKSHOP- COORDINATOR –DR. BHUVNESH SHARMA
10.15 -10.20 AM	ADDRESS- ASSISTANT DIRECTOR- DR. RAGHURAJ PARIHAR
10.20 -11.15 AM	SPEAKER-I - MR. SIDHANT CHOUKSEY TOPIC - BASICS OF IPR
11.15- 12.15 PM	SPEAKER- II - DR. GARGI CHAKRABARTI TOPIC-COPYRIGHT AND PLAGIARISM
12.15 - 1.15 PM	SPEAKER- III - MS.PRATIBHA SHARMA TOPIC- DESIGN REGISTRATION
1.15 - 1.20 PM	VOTE OF THANKS - DR. JAISHREE DAVEREY

# कार्य नीति तथा साहित्य नकल विषय पर राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन

नवज्योति/कोटा

जानकी देवी बजाज राजकीय कन्या महाविद्यालय कोटा में बौद्धिक संपदा अधिकार प्रकोष्ठ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग राजस्थान सरकार के संवृक्त तत्वाधान में एक दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला का विषय स्ट्रैटेजिस फॉर इंटेलेक्चुअल प्रॉपर्टी राइट्स एंड प्लेगेरिज्म रिस्क था। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. अनिता कोठारी द्वारा की गई। डॉ. अनिता कोठारी ने बताया कि यह कार्यशाला समाज के सभी वर्गों के लिए बहुत उपयोगी सिद्ध होगी तथा इस जानकारी के माध्यम से शोधार्थी अपने कार्य को संरक्षित रख सकेंगे। साथ में देश विदेश में अपने कार्य का प्रकाशन कर एक नया मुकाम हासिल कर सकेंगे। कार्यशाला की समन्वयक डॉ. विजय देवड़ा ने शोध व अकादमिक कार्य में बौद्धिक संपदा अधिकारों के महत्व को बताया। सहायक निदेशक कोटा परिक्षेत्र डॉ. रघुराज परिहार ने बौद्धिक संपदा अधिकारों के विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डाला। डॉ. भुवनेश शर्मा ने इस कार्यक्रम की रूपरेखा तथा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा संचालित योजनाओं के बारे में बताया। कार्यक्रम के प्रथम प्रवक्ता प्रत्याशी सिद्धार्थ चौकसी नवाचार प्रबंधक डेलाइट कंपनी ने बौद्धिक संपदा के आधारभूत पहलू विषय पर व्याख्यान दिया। कार्यक्रम के द्वितीय सत्र की प्रवक्ता डॉ. गार्गी चक्रवर्ती, अध्यक्ष एवं समन्वयक आईपीआर नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी जोधपुर ने कॉपीराइट और साहित्य चोरी पर व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. जागृति मीणा, डॉ. प्रीति बैरवा, डॉ. बंशीवाल तथा सहायक आचार्य अनीता मालव द्वारा किया गया। कार्यक्रम के अंत में डॉ. जयश्री ने सभी आमंत्रित अतिथि तथा प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया।



To  
The Principal  
Government College Kota  
Kota (Raj.)

Through—Principal, Janki Devi Bajaj Rajkiya Kanya Mahavidyalaya Kota, Raj.

Sir

Enclosed herewith please find the proposal for iSTART program of Government of Rajasthan for your kind perusal.

Thanking You

*Shefrene*  
Yours Sincerely  
Shefrene Fatima Ansari (M.Sc. III Sem Physics)  
*Ritika* Ritika Gera (M.Sc. III Sem Physics)

Office of the Principal of Janki Devi Bajaj Rajkiya Kanya Mahavidyalaya  
Kota (Raj)

No: 27

Date: 06/01/2023

The original proposal of Shefrene Fatima Ansari and Ritika Gera student of M.Sc. III Sem Physics in this college is forwarded for the necessary action.

*J. S.*  
06/01/23  
Principal

Janki Devi Bajaj Rajkiya Kanya Mahavidyalaya Kota, Raj.

**“PEDAGOGICAL MATERIAL”**

*PROPOSAL SUBMITTED UNDER*

**THE iSTART  
PROGRAM OF GOVERNMENT OF  
RAJASTHAN**

*TO*

**LOCAL INCUBATION CENTRE  
GOVERNMENT COLLEGE KOTA, KOTA**



*SUBMITTED BY*

**MS SHEFREEN FATIMA ANSARI (M.SC PHYSICS)  
MS RITIKA GERA (M.SC PHYSICS)**

*UNDER THE SUPERVISION OF*

**MRS. KAJAL KUMAWAT  
ASST. PROF.  
(DEPARTMENT OF PHYSICS)  
JANKI DEVI BAJAJ GOVT GIRLS COLLEGE, KOTA**



# Proposal For Pedagogical Material

## THE PROBLEM

In Rajasthan and many other states, students do not have study material in proper format due to following reasons:

1. Lack Shortage of teaching facilities at colleges and universities
2. Unavailability of teaching facilities at their neighborhood

## OUR SOLUTION

We will provide proper and well-organized notes according to their syllabus in Hindi and English languages to students.

## OUR PRODUCT/SERVICE

An App which will have the following features with the supervision of college faculties:

1. Notes for B.Sc. (Pass course & Honors) in Hindi and English language as per the syllabus of all the Universities of Rajasthan.
2. Previous year Solutions of all the university exams.

## MARKET ANALYSIS

### Who will buy our product

1. Students living in rural areas and not being able to go to college at districtheadquarters
2. Students who can't afford the coaching fee
3. Private students, who can't attend the regular classes in govt colleges

### How will they benefit

1. The cost of our product will be so less that every student will be able to afford.
2. Well organized notes available on their mobile phones will help them to save time and they do not have to carry heavy notebooks all the time.

### Why we are better

1. On you tube channels, they get selected content that too not according to their syllabus as there are 40-50 universities in only Rajasthan. Our app will offer the notes as per the syllabus of all universities of Rajasthan.
2. The content on those 6-7 apps available on play store is not good enough and they do not cover the complete syllabus of even a single university

## MARKETING AND SALES PLAN

### How our customers will learn about us

1. Through College Website
2. Social Media

### How we will encourage them to tell others about us

Students who refer our app to others will get 10% off on their purchase and the one who they refer will also get 10% off on using a code given by us to the former student. So, the more students they bring, the more discount they get.

### What we will charge for our product/Service

500/- per year per student.

The user will have the access to our app for 1 year. During this year, he will only be able to read the notes from our app. He won't be able to take screenshot or download any content. The app will deny log in with one purchase.

### How we will get paid

Members will receive 50% of the fee as their as remuneration, 50% of the fee will be used in the maintenance and upgradation of content available on app

## FINANCIAL PLAN

### Source of funding-

Local Incubation Centre and fee from beneficiary students

### Use of funding

1. App designing cost
2. Remuneration of the members who will prepare notes
3. Internet and electricity
4. Technical assistance
5. Printers, stationary etc. for notes preparation

To

The Principal

Government College Kota

Kota (Raj.)

Through—Principal, Janki Devi Bajaj Rajkiya Kanya Mahavidyalaya Kota, Raj.

Sir

Enclosed herewith please find the proposal for iSTART program of Government of Rajasthan for your kind perusal.

Thanking You

Yours Sincerely

*Sanya*  
Sanya Rangraj (M.Sc. I Sem chemistry)  
*अशा मीना*  
Asha Meena (M.Sc. I Sem chemistry)

**Office of the Principal of Janki Devi Bajaj Rajkiya Kanya Mahavidyalaya  
Kota (Raj)**

No: 38

Date: 06/10/2023

The original proposal of Sanya Rangraj and Asha Meena student of M.Sc. I Sem of chemistry in this college is forwarded for the necessary action.

*Anil*  
6/11/23  
Principal

Janki Devi Bajaj Rajkiya Kanya Mahavidyalaya Kota, Raj.



**“Eco- friendly waste management”**

**Proposal**

**Submitted**

**Under the iSTART Program of Government of  
Rajasthan**

**To**

**Local Incubation Centre  
Government College Kota, Kota**



**Submitted by**

**Ms Sanya Rangraj**

**Ms Asha Meena**

**Under the supervision of**

**Dr Vijay Devra**

**&**

**Ms Preeti Bairwa**

**Department of Chemistry**

**Janki Devi Bajaj Govt Girls college, Kota**

## Proposal for Eco- friendly waste management

### **Contents**

1. Waste Management
2. Existing Methods
3. Objectives
4. Futuristic Scope
5. Action Plan

### **Waste Management**

Waste management simply means the collection, transport, processing or disposal, management, and monitoring of waste materials to minimize its consequences on humans and the environment. It continues to be a rising challenge as the population grows along with the industrial development in big cities

### **Existing Methods**

#### **1. Incineration method of waste management**

Incineration as a disposal method involves burning trash. Sometimes this is simply referred to as thermal treatment, as a general category of high-temperature treatment of trash material. This method can be used to transform waste into heat, gas, steam, and ash. One of the advantages of incineration is that with this method, refuse volume can be reduced by half or more and it requires little usage of land

#### **2. Sanitary Landfills as waste disposal**

Landfill is probably the most practiced in more areas of the world than any other method. Landfills are often old and abandoned quarries and mining areas. Considered the most cost-effective way of waste disposal, about 75% of the cost of implementation is attributable to the collection and transportation of waste from residential and businesses to landfills. The waste is layered in thin spreads and then compacted, with a layer of clean earth covering the waste material before more layers are added over time.

### **3. Recycling**

Recycling waste material means taking the materials and transforming them into new products. This is a key concept in the modern waste minimization philosophy. It's about lessening the strain on the environment by minimizing the need to fully dispose of. In our everyday lives, we may already be separating paper products, aluminium soda cans, or glass bottles into different waste containers so that these could be recycled.

### **4. Avoidance and reduction methods**

Prevention of waste material being created is also known as waste reduction. Methods of avoidance include reuse of second-hand products, repairing broken items instead of buying new ones, designing products to be refillable or reusable (such as cotton instead of plastic shopping bags), encouraging consumers to avoid using disposable products (such as disposable cutlery), removing any food/liquid remains from cans and packaging and designing products that use less material to achieve the same purpose (for example, light-weighting of beverage cans).

### **Objectives**

Minimise waste that needs to be disposed in centralized landfills, thus extending existing landfill capacity. Reduce the environmental impact of disposal sites as the bio-degradable waste fraction largely is to blame for the polluting leachate and the methane problems. Benefit the soil by using organic compost instead of chemical fertilizers.

As an educational institution, we produce a lot of 'waste' which can be managed better or avoided in the first place. There are reams of paper being wasted across various departments by the staff, by students. A lot of plastic utilities like computers and other parts are disposed of every year.

Educational institutions have been forerunners in bringing such changes. We should start this within our institution and then take it to the next level from there.

### **Scope**

As discussed above the primary areas we can target to start with will be:

1. Paper Waste
2. Plastic material
3. Glass metal waste



4. Cardboard waste

5. Chemical waste

#### **Plan of Action**

Based on above methods for waste management we can adopt the following:

- 1. In the present scenario the most preferable method is to avoid and reduce the creation of waste.**

#### **Action Plan:**

- Spread awareness among the students and the staff regarding the waste avoid and reduce method through notice boards.
- Maximise the use of e-mails for the official information. Try to make our office's paper free as much as we can by maximizing the use of e-mails and SMS alerts. There are some websites that allow free SMS all over the world. So, we can use this technology among the staff of the college.
- Less use of printers by spreading awareness among the staff of college administration, accounts, and library. Think before printing a document whether it is necessary to print or not.
- Minimise the use of paper by implementing the Electronic Bulletin Board/Electronic Notice Board in the college.
- Use only small paper for small notices.
- Use both sides of the paper. Set your printer on default to print both sides.
- Make all the necessary editions in the document before printing.
- Use a single notice to spread the same information among the staff.
- Avoid polyethene's and disposable materials in the college premises specially the canteen. Use paper bags instead.

- 2. As an educational institution we can opt for reuse of paper and printer.**

#### **Action Plan:**

- Reuse the used printed paper for making notes etc.
- Print the notice on the second side of the used paper.
- Use recycled paper.
- Refill the ink in the printers

### 3. Recycle of waste disposal can opt after the above two methods.

#### Action Plan:

- We can put dustbins in the college premises with the following three naming:

- ❖ Paper Only
- ❖ Plastics Only
- ❖ Organic Waste like food only

- All the waste paper and plastic can be disposed of in an eco-friendly manner. For this, we have to contact either NGOs or private companies working in waste management. Hindustan Times has also initiated a project in this regard.

### 4. The last possible method is for organic waste.

#### Action Plan:

- Organic waste can be disposed of using the landfill method of composting or vermi composting method. For this, we have to take the help of any NGO like the Indian Pollution Control Association etc.

#### Requirements:

- The major requirement is the construction of a waste management committee from at least one member from each department and also members from the student council.
- Dustbins
- List of NGOs for waste management work.